सहायक आचार्य प्रतियोगी परीक्षा-2024
(संस्कृत शिक्षा विभाग) परीक्षा तिथि- 9/9/2024

रश्मिपालजी

इस प्रश्न पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए। / Do not open this Question Booklet until you are asked to do so.

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : **24**
No. of Pages in Booklet : **24**
पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : **150**
No. of Questions in Booklet : **150**
Paper Code : **12**

PAS-24

Paper-II

प्रश्न पुस्तिका संख्या व बारकोड / Question Booklet No. & Barcode **205025**

SUBJECT : **Hindi-II**

समय : **03 घण्टे+10 मिनट अतिरिक्त***
Time : **03 Hours+10 Minutes Extra***

अधिकतम अंक : **75**
Maximum Marks: **75**

प्रश्न पुस्तिका के पेपर की सील / पॉलिथिन बैग को खोलने पर प्रश्न पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :–
- प्रश्न पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान है।
- प्रश्न पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं। समस्त प्रश्न जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है / मुद्रण त्रुटि नहीं है।

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरी प्रश्न पुस्तिका प्राप्त कर लें। यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी। परीक्षा प्रारम्भ होने के **5** मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper the candidate should ensure that:-
- Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.
- All pages & Questions of Question Booklet and OMR Answer Sheet are properly printed. All questions as mentioned above, are available and no page is missing/misprinted.

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after **five** minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. **प्रत्येक प्रश्न के लिये एक विकल्प भरना अनिवार्य है।**
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का मात्र एक ही उत्तर दीजिये। एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा।
4. **OMR** उत्तर–पत्रक इस प्रश्न पुस्तिका के अन्दर रखा है। जब आपको प्रश्न पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर–पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल **नीले बॉल प्वॉइंट पेन** से विवरण भरें।
5. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें। गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा।
6. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा।** गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है।
7. **प्रत्येक प्रश्न के पांच विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1, 2, 3, 4, 5 अंकित किया गया है। अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले (बबल) को उत्तर–पत्रक पर नीले बॉल प्वॉइंट पेन से गहरा करना है।**
8. **यदि आप प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं, तो उत्तर–पत्रक में पांचवे (5) विकल्प को गहरा करें। यदि पांच में से कोई भी गोला गहरा नहीं किया जाता है, तो ऐसे प्रश्न के लिये प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा।**
9.* **प्रश्न पत्र हल करने के उपरांत अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से ओ.एम.आर. आंसर शीट जांच लें कि समस्त प्रश्नों के लिये एक विकल्प (गोला) भर दिया गया है। इसके लिये ही निर्धारित समय से 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।**
10. **यदि अभ्यर्थी 10% से अधिक प्रश्नों में पांच विकल्प में से कोई भी विकल्प अंकित नहीं करता है, तो उसको अयोग्य माना जायेगा।**
11. मोबाइल फोन अथवा इलेक्ट्रॉनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है। यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है, तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए और **राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों–प्रावधानों** के तहत कार्यवाही की जाएगी। साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. **It is mandatory to fill one option for each question.**
2. All questions carry equal marks.
3. Only one answer is to be given for each question. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
4. The **OMR** Answer Sheet is inside this Question Booklet. When you are directed to open the Question Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **BLUE BALL POINT PEN** only.
5. Please correctly fill your Roll Number in OMR Answer Sheet. Candidate will themself be responsible for filling wrong Roll Number.
6. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
7. **Each question has five options marked as 1, 2, 3, 4, 5. You have to darken only one circle (bubble) indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.**
8. **If you are not attempting a question, then you have to darken the circle '5'. If none of the five circles is darkened, one third (1/3) part of the marks of question shall be deducted.**
9.* **After solving the question paper, candidate must ascertain that he/she has darkened one of the circles (bubbles) for each of the questions. Extra time of 10 minutes beyond scheduled time is provided for this.**
10. **A candidate who has not darkened any of the five circles in more than 10% questions shall be disqualified.**
11. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair means in Recruitment) Act, 2022, other law applicable and Commission's Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर–पत्रक में दो प्रतियां हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति। परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर–पत्रक की दोनों प्रतियां वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें। वीक्षक उत्तर–पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाईन से मोड़कर सावधानीपूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे, **जिसे परीक्षार्थी अपने साथ ले जायेंगे। परीक्षार्थी को उत्तर–पत्रक की कार्बन प्रति चयन प्रक्रिया पूर्ण होने तक सुरक्षित रखनी होगी एवं आयोग द्वारा मांगे जाने पर प्रस्तुत करनी होगी।**

1. कवि और उनके प्रमुख कार्यक्षेत्र की दृष्टि से सुमेलित विकल्प नहीं है –

(1) नामदेव – गुजरात
(2) चण्डीदास – बंगाल
(3) विद्यापति – मिथिला
(4) जयदेव – उड़ीसा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

2. निम्नलिखित में से अरुण कमल की रचना नहीं है –

(1) मैं वो शंख महाशंख
(2) बीजाक्षर
(3) सबूत
(4) नये इलाके में
(5) अनुत्तरित प्रश्न

3. निम्न में से 'निराला' की रचना नहीं है –

(1) जुही की कली
(2) सरोज–स्मृति
(3) बादल–राग
(4) परिवर्तन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

4. निम्न में से किस सम्प्रदाय में नित्य विहारी कृष्ण की निकुंज लीलाओं का गान किया गया है?

(1) राधावल्लभ सम्प्रदाय में
(2) निम्बार्क–सम्प्रदाय में
(3) सखी सम्प्रदाय में
(4) गौड़ीय सम्प्रदाय में
(5) अनुत्तरित प्रश्न

5. 'बीसलदेव रास' के विषय में असंगत है –

(1) डॉ. मोतीलाल मेनारिया इसें गेय काव्य मानते हैं।
(2) इसमें 'संदेश रासक' की संदेश परंपरा मिलती है।
(3) रचना नारी गरिमा की स्थापना करती है।
(4) इसकी भाषा आदिकालीन आरम्भिक हिन्दी का सहज रूप मानी गयी है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

6. पृथ्वीराज रासो की उपलब्ध प्रतियों के आधार पर श्री नरोत्तम दास स्वामी ने पृथ्वीराज रासो के कुल कितने रूपान्तर निश्चित किये?

(1) दो
(2) पाँच
(3) चार
(4) तीन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

7. काव्य के सभी अंगों का एक साथ विवेचन करने वाले आचार्यों ने मुख्यतः निम्न में से किन ग्रन्थों का आश्रय ग्रहण किया?

(1) काव्यप्रकाश और चंद्रालोक
(2) चंद्रालोक और कुवलयानंद
(3) कुवलयानंद और साहित्यदर्पण
(4) साहित्यदर्पण और काव्यप्रकाश
(5) अनुत्तरित प्रश्न

8. असंगत विकल्प चुनें –

(1) खुरदुरी हथेलियाँ – अनामिका
(2) अपनी केवल धार – अरुण कमल
(3) घास में दुबका आसमान – आलोक धन्वा
(4) एक पतंग अनंत में – अशोक वाजपेयी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

9. अमीर खुसरो की हिन्दी रचना है –

(1) पहेलियाँ
(2) पदावली
(3) वसंत–विलास
(4) इंद्रावती
(5) अनुत्तरित प्रश्न

10. 'आंडाल' को किस परम्परा में परिगणित किया जाता है?

(1) सूफी
(2) आलवार
(3) नयनार
(4) अष्टछापी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

11. 'आवारा मसीहा' किसके जीवन पर केन्द्रित रचना है?

(1) मुक्तिबोध
(2) प्रेमचंद
(3) नागार्जुन
(4) शरतचन्द्र
(5) अनुत्तरित प्रश्न

12. मंझन कृत 'मधुमालती' के संदर्भ में असंगत विवरण है –

(1) मनोहर के प्रेम की दृढ़ता में कहीं भी शिथिलता नहीं आती।
(2) मधुमालती की प्रेमव्यथा प्रेमोन्माद नहीं है।
(3) इसमें मनोहर–मधुमालती की प्रमुख कथा के साथ ही ताराचंद–प्रेमा की एक और अंतर्कथा चलती है।
(4) अन्य प्रेमाख्यानों की तरह इसकी कथा भी दुःखांत है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

13. 'कविता में जो स्थान लय का है, कहानी में वही स्थान कहानीपन का है।'
नई कहानी पर विचार करते हुए यह कथन किसका है?

(1) नगेन्द्र
(2) नामवर सिंह
(3) रामविलास शर्मा
(4) बच्चन सिंह
(5) अनुत्तरित प्रश्न

14. रचना और रचनाकार की दृष्टि से असंगत विकल्प बताइए –

(1) जानकी मंगल – देवकीनंदन त्रिपाठी
(2) प्रेमजोगिनी – भारतेन्दु
(3) महाराणा प्रताप – राधाकृष्ण दास
(4) संयोगिता स्वयंवर – श्रीनिवासदास
(5) अनुत्तरित प्रश्न

15. नंद चतुर्वेदी के संबंध में असंगत कथन है –
(1) 'कहीं नहीं वहीं' उनका प्रसिद्ध काव्य–संकलन है।
(2) उन्होंने घनाक्षरी, सवैया, दोहा आदि छंदों में भी रचनाएं की।
(3) उन्होंने साहित्यिक पत्रिका 'बिंदु' का संपादन किया।
(4) उनके लेखन की शुरुआत ब्रजभाषा की कविताओं से हुई।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

16. निम्नलिखित में से कौनसी रचना 'केदारनाथ अग्रवाल' की नहीं है?
(1) बोले बोल अबोल
(2) कहे केदार खरी–खरी
(3) हे मेरी तुम
(4) तालस्ताय और साइकिल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

17. सुभद्राकुमारी चौहान का काव्य–संग्रह है –
(1) मानसी
(2) जौहर
(3) चैत्या
(4) मुकुल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

18. भिखारीदास के कृतित्व के बारे में असंगत कथन है –
(1) दास का नायक–नायिका भेद मूलतः भानुदत्त की रसमंजरी पर आधारित है।
(2) 'काव्य निर्णय' में दास ने कुछ मौलिक उद्‌भावनाओं को भी प्रस्तुत करने का प्रयास किया है।
(3) 'काव्य निर्णय' ग्रंथ का अधिकतर भाग रस–विवेचन को समर्पित है।
(4) 'काव्य निर्णय' ग्रंथ के निर्माण में दास ने मम्मट, विश्वनाथ, अप्पय दीक्षित और जयदेव के ग्रंथों से सहायता ली है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

19. निम्न में से 'मलिक मुहम्मद जायसी' की रचना नहीं है –
(1) आखिरी कलाम
(2) अखरावट
(3) रसरतन
(4) चित्ररेखा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

20. 'रीतिमुक्त काव्यधारा' का कवि नहीं है –
(1) बोधा
(2) ग्वाल
(3) ठाकुर
(4) द्विजदेव
(5) अनुत्तरित प्रश्न

21. "इसमें सन्देह नहीं कि काव्य–रीति का सम्यक् समावेश पहले पहल आचार्य केशव ने ही किया पर हिन्दी में रीतिग्रन्थों की अविरल और अखण्डित परम्परा का प्रवाह केशव की 'कवि प्रिया' के प्रायः पचास वर्ष पीछे चला और वह भी एक भिन्न आदर्श को लेकर, केशव के आदर्श को लेकर नहीं।"
रीतिकाल के आरंभ के विषय में यह टिप्पणी किस आलोचक की है?
(1) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
(2) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(3) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
(4) आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

22. "हम अपने को ऐसे धार्मिक आन्दोलन के सामने पाते हैं, जो उन सब आन्दोलनों से कहीं अधिक विशाल है, जिन्हें भारतवर्ष ने कभी देखा है, यहाँ तक कि बौद्ध धर्म के आन्दोलन से भी अधिक विशाल है, क्योंकि इसका प्रभाव आज भी वर्तमान है।" भक्ति आंदोलन के विषय में उक्त कथन हैं –

(1) रामधारी सिंह दिनकर का
(2) आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी का
(3) ग्रियर्सन का
(4) डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी का
(5) अनुत्तरित प्रश्न

23. इनमें से पद्माकर की रचना नहीं है –

(1) हिम्मत बहादुर विरुदावली
(2) जगद् विनोद
(3) नीति शतक
(4) पद्माभरण
(5) अनुत्तरित प्रश्न

24. दार्शनिक सिद्धांत और आचार्य सुमेलित नहीं हैं –

(1) विशिष्टाद्वैत – विष्णु स्वामी
(2) द्वैताद्वैत – निम्बार्काचार्य
(3) द्वैत – मध्वाचार्य
(4) अद्वैत – शंकराचार्य
(5) अनुत्तरित प्रश्न

25. रीतिकालीन साहित्य एवं कलाओं के बारे में असंगत कथन है –

(1) रचनाकारों को अपने आश्रयदाताओं की अभिरुचियों का विशेष ध्यान रखना पड़ता था।
(2) इस समय की ब्रजभाषा फारसी के प्रभाव से पूर्णतः बची हुई थी।
(3) इस समय के कवि चमत्कार के उपकरणों के लिए फारसी की ओर उन्मुख न होकर संस्कृत की ओर उन्मुख हुए।
(4) साहित्य और कला की दृष्टि से यह युग पर्याप्त समृद्ध कहा जा सकता है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

26. जसवन्त सिंह की 'भाषा–भूषण' कृति निम्न में से किस विषय से संबंधित है?

(1) अलंकार संबंधी
(2) रीति संबंधी
(3) रस संबंधी
(4) ध्वनि संबंधी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

27. कुबेरनाथ राय की रचना नहीं है –

(1) रस आखेटक
(2) प्रिया नीलकंठी
(3) तुम चंदन हम पानी
(4) मराल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

28. उपन्यास और उपन्यासकार की दृष्टि से सुमेलित नहीं है –

(1) अपने से अलग – मोहन राकेश
(2) डाक बंगला – कमलेश्वर
(3) वे दिन – निर्मल वर्मा
(4) मछली मरी हुई – राजकमल चौधरी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

29. "रीतिकाल की कविता इनकी और प्रतापसाहि की वाणी द्वारा अपने पूर्ण उत्कर्ष को पहुंचकर फिर ह्रासोन्मुख हुई।" शुक्ल जी ने 'इनकी' से किस कवि की ओर संकेत किया है?

(1) पद्माकर
(2) सोमनाथ
(3) दूलह
(4) जगन्नाथदास 'रत्नाकर'
(5) अनुत्तरित प्रश्न

30. डॉ. विजयेन्द्र स्नातक के अनुसार तुलसीदास के काव्य के सन्दर्भ में असंगत कथन है –

(1) तुलसी ने अवधी तथा ब्रज दोनों ही भाषाओं में काव्य–रचना की।
(2) तुलसी साहित्य में भाव वैविध्य तो है, परन्तु शैली वैविध्य नहीं है।
(3) तुलसी की भक्ति लोकसंग्रह की भावना से अभिप्रेरित है।
(4) रामचरित मानस में तुलसी ने राम और शिव दोनों को एक दूसरे का भक्त अंकित किया है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

31. 'रंगनाथ की वापसी' शीर्षक नाटक श्रीलाल शुक्ल की किस रचना का नाट्य रूपान्तरण है?

(1) पहला पड़ाव
(2) मकान
(3) अज्ञातवास
(4) राग दरबारी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

32. "गोरक्षनाथ बहुत शक्तिशाली धार्मिक नेता थे। इन्होंने हठयोग–प्रधान नाथ सम्प्रदाय का संगठन किया था। XXXXX इन्होंने अनेक शैव और योग–सम्प्रदायों को तोड़कर बारहपन्थी शाखा की स्थापना की थी।" उपर्युक्त कथन है –

(1) डॉ. पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल का
(2) हजारीप्रसाद द्विवेदी का
(3) आ. रामचन्द्र शुक्ल का
(4) डॉ. रामकुमार वर्मा का
(5) अनुत्तरित प्रश्न

33. 'मृगावती' किस कवि की रचना है?

(1) जायसी
(2) मुल्ला दाउद
(3) कुतुबन
(4) मंझन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

34. निम्नलिखित में से अज्ञेय का कहानी संग्रह नहीं है –

(1) कोठरी की बात
(2) विपथगा
(3) डायरी के नीरस पृष्ठ
(4) जयदोल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

35. रीतिकालीन स्वच्छंदतावादी काव्यधारा की विशेषता नहीं है –

(1) वक्रता और रहस्यात्मकता
(2) लाक्षणिकता का अभाव
(3) भावात्मकता
(4) वियोग की अन्तर्दशाओं का चित्रण
(5) अनुत्तरित प्रश्न

36. रामसनेही सम्प्रदाय, शाहपुरा के सम्बन्ध में असंगत है –

(1) रामस्मरण पर बल नहीं है।

(2) अनभैवाणी महत्त्वपूर्ण रचना है।

(3) गूदड़पंथी संतदास की परम्परा से विकास हुआ है।

(4) नवलराम मंत्री प्रमुख सन्त भक्त हैं।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

37. सेनापति के श्लेष वर्णन के माहात्म्य को देखते हुए उन्हें 'भाषा का सेनापति' किसने कहा है?

(1) डॉ. नगेंद्र

(2) डॉ. रामशंकर शुक्ल 'रसाल'

(3) डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

(4) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

(5) अनुत्तरित प्रश्न

38. रीतिकालीन कवि आलम के संबंध में असंगत कथन है –

(1) रेखता या उर्दू भाषा में भी इन्होंने कवित्त कहे हैं।

(2) ये प्रेमोन्मत्त कवि थे और अपनी तरंग के अनुसार रचना करते थे।

(3) इनकी रचनाओं में हृदय–तत्त्व की प्रधानता है।

(4) आलम की ख्याति अधिकतर उनकी प्रबंध रचनाओं के कारण है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

39. विनोद कुमार शुक्ल का उपन्यास नहीं है –

(1) नौकर की कमीज

(2) मुझे चाँद चाहिए

(3) खिलेगा तो देखेंगे

(4) दीवार में एक खिड़की रहती है

(5) अनुत्तरित प्रश्न

40. निबंध–संग्रह और निबंधकार की दृष्टि से कौनसा विकल्प असंगत है?

(1) आलोक पर्व – हजारीप्रसाद द्विवेदी

(2) पश्यंती – अज्ञेय

(3) दृष्टि अभिसार – कुबेरनाथ राय

(4) परम्परा बंधन नहीं – विद्यानिवास मिश्र

(5) अनुत्तरित प्रश्न

41. खड़ी बोली हिन्दी गद्य के चार प्रारंभिक लेखकों में सम्मिलित नहीं है –

(1) इंशाअल्ला खाँ

(2) सदासुख लाल

(3) चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'

(4) सदल मिश्र

(5) अनुत्तरित प्रश्न

42. नागार्जुन की रचना नहीं है –

(1) बलचनमा

(2) गंगा मैया

(3) बाबा बटेसरनाथ

(4) नई पौध

(5) अनुत्तरित प्रश्न

43. डॉ. नगेन्द्र के अनुसार, रीतिग्रन्थों की रचना न करके काव्य–सिद्धांतों या लक्षणों के अनुसार काव्य–रचना करने वाले कवि हैं –

(1) बिहारी
(2) भिखारीदास
(3) मतिराम
(4) केशवदास
(5) अनुत्तरित प्रश्न

44. "साधारणतः ईस्वी सन् की दसवीं से लेकर चौदहवीं शताब्दी के काल को 'हिन्दी साहित्य का आदिकाल' कहा जाता है।" यह कथन किस विद्वान् का है?

(1) आ. रामचंद्र शुक्ल
(2) डॉ. नगेन्द्र
(3) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
(4) डॉ. रामशंकर शुक्ल 'रसाल'
(5) अनुत्तरित प्रश्न

45. जिन कवियों ने रीतिग्रन्थों की रचना न करके काव्य–सिद्धांतों या लक्षणों के अनुसार काव्य–रचना की है, उन्हें डॉ. नगेंद्र किस वर्ग में परिगणित करते हैं?

(1) रीतिसिद्ध
(2) रीतिबद्ध
(3) स्वच्छंद
(4) रीतिमुक्त
(5) अनुत्तरित प्रश्न

46. रीतिकाल के रीति–निरूपक ग्रंथों पर किस शैली का प्रभाव नहीं है?

(1) रस–मंजरी की नायिका–भेद शैली
(2) काव्य–प्रकाश की काव्यांग निरूपण–शैली
(3) बहुधा कठोर और श्रुति–कटु शब्दों से प्रयुक्त भाषा–शैली
(4) चन्द्रालोक की संक्षिप्त अलंकार–निरूपण–शैली
(5) अनुत्तरित प्रश्न

47. रचना एवं रचनाकार की दृष्टि से सुमेलित नहीं है –

(1) वीणा – सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
(2) सांध्यगीत – महादेवी वर्मा
(3) महाराणा का महत्त्व – जयशंकर प्रसाद
(4) उच्छ्वास – सुमित्रानंदन पंत
(5) अनुत्तरित प्रश्न

48. कहानी संग्रह और कहानीकार की दृष्टि से सुमेलित विकल्प नहीं है –

(1) एक धनी व्यक्ति का बयान – अमरकांत
(2) निशाचर – भीष्म साहनी
(3) मंगली की टिंकुली – भैरवप्रसाद गुप्त
(4) खिलौने – निर्मल वर्मा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

49. "केशव केवल उक्ति–वैचित्र्य और शब्द–क्रीड़ा के प्रेमी थे। जीवन के नाना गंभीर और मार्मिक पक्षों पर उनकी दृष्टि नहीं थी।" उक्त कथन किस आलोचक का है?

(1) रामस्वरूप चतुर्वेदी
(2) डॉ. नगेन्द्र
(3) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(4) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

50. कृष्ण–काव्य परम्परा में निम्नलिखित में से किसे सम्प्रदाय निरपेक्ष रचनाकार माना जाता है?

(1) कुम्भनदास को
(2) परमानन्द दास को
(3) नन्ददास को
(4) मीरां को
(5) अनुत्तरित प्रश्न

51. मध्यकालीन संत कवियों के संदर्भ में कौनसा कथन असंगत है?

(1) इन कवियों की भाषा का रूप स्थिर है।
(2) काव्य सौष्ठव अथवा काव्योत्कर्ष संत कवियों का साध्य नहीं है।
(3) संत कवियों की भाषा सहज, सरल एवं कृत्रिमता विहीन है।
(4) पारमार्थिक, अलौकिक एवं दार्शनिक जगत की झाँकियों को प्रस्तुत करने में संत साहित्य का अपना महत्त्व है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

52. "हिन्दी में रीति का प्रयोग साधारणतः लक्षण ग्रंथों के लिए होता है; जिन ग्रंथों में काव्य के विभिन्न अंगों का लक्षण–उदाहरण सहित विवेचन होता है; उन्हें रीतिग्रंथ कहते हैं।" यह मान्यता किनकी है?

(1) डॉ. नगेंद्र
(2) डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
(3) डॉ. रामशंकर शुक्ल 'रसाल'
(4) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

53. पत्रिकाओं और उनके सम्पादक की दृष्टि से सुमेलित विकल्प नहीं है –

(1) समालोचक – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
(2) साहित्य सन्देश – महावीर प्रसाद द्विवेदी
(3) सुदर्शन – देवकीनन्दन खत्री
(4) नयी कविता – जगदीश गुप्त
(5) अनुत्तरित प्रश्न

54. कौनसा संप्रदाय मुख्यतः कृष्ण भक्ति से संबद्ध नहीं है?

(1) श्री संप्रदाय
(2) गौड़ीय संप्रदाय
(3) निम्बार्क संप्रदाय
(4) सखी संप्रदाय
(5) अनुत्तरित प्रश्न

55. इनमें से सेनापति का लिखा ग्रंथ कौनसा है?

(1) भागवत रत्नाकर
(2) कवित्त रत्नाकर
(3) ग्रीष्म विलास
(4) फाग पंचीसी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

56. 'बीसलदेव रासो' के संबंध में कौनसा कथन असंगत है?

(1) इस काव्य के रचयिता नरपति नाल्ह माने जाते हैं।
(2) इस काव्य के नायक–नायिका बीसलदेव और राजमती हैं।
(3) डॉ. माताप्रसाद गुप्त ने इसकी एक प्रति का संपादन किया है।
(4) इसमें वीर रस का प्राधान्य है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

57. छायावादी काव्य विषयक नामवर सिंह जी की टिप्पणियों के विपरीत कथन है –
(1) छायावाद एक प्रवहमान काव्यधारा थी; एक ऐतिहासिक उत्थान के साथ उसका उदय हुआ और उसी के साथ उसका क्रमिक विकास तथा ह्रास हुआ।
(2) छायावादी कवि ने प्रकृति के अंतःस्पन्दन का सूक्ष्म अंकन किया। वृक्ष की अपेक्षा उसका ध्यान छाया की ओर था।
(3) छायावाद, व्यक्तिवाद की कविता है, जिसका आरंभ समाज के महत्त्व को स्वीकार करने और करवाने से हुआ, किंतु पर्यवसान समाज और व्यक्ति की स्थायी मैत्री में हुआ।
(4) छायावादी कवियों ने चुने हुए तथ्यों को उपलक्ष्य बना करके अपने जीवन के अनेक सत्यों की अभिव्यंजना की।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

58. अशोक वाजपेयी की काव्य–कृति नहीं है –
(1) बहुरि अकेला
(2) आदिम एकांत
(3) शहर अब भी संभावना है
(4) तत्पुरुष
(5) अनुत्तरित प्रश्न

59. 'जिन्दा मुहावरे' किसकी रचना है?
(1) गीतांजलि श्री
(2) नासिरा शर्मा
(3) अलका सरावगी
(4) मनीषा कुलश्रेष्ठ
(5) अनुत्तरित प्रश्न

60. निम्नलिखित में से 'चौथा सप्तक' के कवि नहीं हैं –
(1) श्रीराम वर्मा
(2) स्वदेश भारती
(3) राजकुमार कुम्भज
(4) विजयदेव नारायण साही
(5) अनुत्तरित प्रश्न

61. मैथिलीशरण गुप्त द्वारा लिखित पद्यबद्ध रूपक नहीं है –
(1) चन्द्रहास
(2) साकेत
(3) तिलोत्तमा
(4) अनघ
(5) अनुत्तरित प्रश्न

62. "दूसरी बात इस आदिकाल के संबंध में ध्यान देने की यह है कि इस काल की जो साहित्यिक सामग्री प्राप्त है, उसमें कुछ तो असंदिग्ध है और कुछ संदिग्ध है।" हिन्दी साहित्य के आदिकाल के विषय में यह कथन किसका है?
(1) रामकुमार वर्मा
(2) परशुराम चतुर्वेदी
(3) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(4) रामचंद्र शुक्ल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

63. आदिकालीन हिन्दी साहित्य में भाषा की दृष्टि से अपभ्रंश प्रभावित साहित्य में परिगणित नहीं किया जाता है –
(1) वर्ण–रत्नाकर
(2) खुसरो की पहेलियाँ
(3) सिद्ध साहित्य
(4) नाथ साहित्य
(5) अनुत्तरित प्रश्न

64. निम्न में से 'देव' की कृति नहीं है –

(1) रागरत्नाकर
(2) देवशतक
(3) नामप्रकाशकोश
(4) भावविलास
(5) अनुत्तरित प्रश्न

65. संस्मरणात्मक रेखाचित्र और उनके रचनाकार सुमेलित हैं –

(1) भूले हुए चेहरे – पद्मसिंह शर्मा
(2) स्मृति की रेखाएँ – महादेवी वर्मा
(3) रेखाएँ बोल उठीं – माखनलाल चतुर्वेदी
(4) पुरानी स्मृतियाँ – रामवृक्ष बेनीपुरी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

66. "एक तो युग की रुचि ही गंभीर नहीं रह गयी थी, लोग मीमांसा का नहीं, रसिकता का आदर करते थे – इसलिए उनकी दृष्टि संस्कृत के उत्तरकालीन अधोगत साहित्यशास्त्र से ऊपर नहीं जा पाती थी। दूसरे, सबसे बड़ा अभाव गद्य का था, जिसके कारण सूक्ष्म विश्लेषण संभव ही नहीं था।"

रीति–निरूपण की विवेचनात्मक सीमा को स्पष्ट करते हुए यह टिप्पणी किस आलोचक की है?

(1) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(2) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
(3) रामस्वरूप चतुर्वेदी
(4) डॉ. नगेन्द्र
(5) अनुत्तरित प्रश्न

67. रचना और रचनाकार की दृष्टि से कौनसा विकल्प सुमेलित नहीं है?

(1) मोरी की ईंट – ओमप्रकाश वाल्मीकि
(2) छप्पर – जयप्रकाश कर्दम
(3) काला पहाड़ – भगवानदास मोरवाल
(4) नरक कुंड में वास – जगदीश चन्द्र
(5) अनुत्तरित प्रश्न

68. निम्बार्क संप्रदाय की गद्दी को ब्रज से सलेमाबाद लाने वाले आचार्य हैं –

(1) हरिव्यासदेव
(2) लक्ष्मण भट्ट
(3) परशुरामदेव
(4) श्रीभट्ट
(5) अनुत्तरित प्रश्न

69. जॉर्ज ग्रियर्सन ने 'चारणकाल' की समय–सीमा निर्धारित की है –

(1) 650–1300 ई.
(2) 700–1350 ई.
(3) 700–1300 ई.
(4) 750–1350 ई.
(5) अनुत्तरित प्रश्न

70. रचना और रचनाकार की दृष्टि से असंगत है –

(1) चंदनबाला रास – आसगु
(2) श्रावकाचार – देवसेन
(3) भरतेश्वर बाहुबली रास – शालिभद्र सूरि
(4) स्थूलिभद्र रास – विजयसेन सूरि
(5) अनुत्तरित प्रश्न

71. "इसने परवर्त्ती संतों के लिए श्रद्धाचरण–प्रधान पृष्ठभूमि तैयार कर दी थी। जिन संत साधकों की रचनाओं से हिन्दी साहित्य गौरवान्वित है, उन्हें बहुत–कुछ बनी–बनाई भूमि मिली थी।" आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के उक्त कथन में 'इसने' से संकेतित है –

(1) गोरखनाथ के पद
(2) आलवारों की नाम संकीर्तन भावधारा
(3) सिद्धों के चर्यापद
(4) रामानंदी भक्ति साधना
(5) अनुत्तरित प्रश्न

72. 'भक्तमाल' के अनुसार रैदास के दीक्षा गुरु माने जाते हैं –

(1) नाभादास
(2) राघवानंद
(3) रामानंद
(4) रामानुजाचार्य
(5) अनुत्तरित प्रश्न

73. "अब यह मान लेने में किसी को आपत्ति नहीं है कि रासो एकदम जाली पुस्तक नहीं है। XXX इस विशाल ग्रंथ में कुछ सार भी अवश्य है।" 'पृथ्वीराजरासो' की प्रामाणिकता के विषय में उक्त विचार किनके हैं?

(1) कर्नल टॉड
(2) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
(3) डॉ. जॉर्ज ग्रियर्सन
(4) बाबू श्यामसुंदर दास
(5) अनुत्तरित प्रश्न

74. निम्न में से नंददास द्वारा रचित कोश ग्रन्थ है –

(1) अनेकार्थ ध्वनिमंजरी
(2) रसमंजरी
(3) विरह मंजरी
(4) रास पंचाध्यायी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

75. हिन्दी साहित्य के प्रारम्भिक काल के नामकरण की दृष्टि से सुमेलित नहीं है –

(1) वीरकाल – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
(2) सिद्ध सामंतकाल – रामकुमार वर्मा
(3) प्रारंभिक काल – मिश्रबंधु
(4) आदिकाल – डॉ. रामशंकर शुक्ल 'रसाल'
(5) अनुत्तरित प्रश्न

76. निम्नलिखित में से लीलाधर जगूड़ी की कृति नहीं है –

(1) अनुभव के आकाश में चांद
(2) संवाद तुमसे
(3) घबराए हुए शब्द
(4) इस यात्रा में
(5) अनुत्तरित प्रश्न

77. "जितनी सफलता भारतेन्दु युग के लेखकों को निबंध–रचना में मिली उतनी कविता और नाटक में नहीं मिली।" यह कथन किसका है?

(1) डॉ. नगेन्द्र
(2) रामविलास शर्मा
(3) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(4) रामचन्द्र शुक्ल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

78. किस विकल्प के अन्तर्गत सभी शिष्य वल्लभाचार्य के माने जाते हैं?

(1) कुम्भनदास–सूरदास–चतुर्भुजदास–कृष्णदास
(2) छीतस्वामी–सूरदास–परमानन्ददास–कृष्णदास
(3) कुम्भनदास–सूरदास–परमानन्ददास–कृष्णदास
(4) कुम्भनदास–सूरदास–परमानन्ददास–नन्ददास
(5) अनुत्तरित प्रश्न

79. "यह आश्चर्य की बात है कि तुलसीदास ने जहाँ लोक प्रचलित और जनता को आकृष्ट करने वाले सभी छन्दों और काव्यरूपों को राममय करने का प्रयत्न किया, वहाँ उन्होंने आल्हा या वीर छंद को नहीं अपनाया।" उक्त कथन किस विद्वान का है?

(1) डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
(2) डॉ. बच्चन सिंह
(3) रामचन्द्र शुक्ल
(4) रामकुमार वर्मा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

80. "पुस्तक जल्हण हत्थ दै, चलि गज्जन नृप काज।" इस प्रसिद्ध पंक्ति में 'पुस्तक' से आशय है –

(1) हम्मीर रासो
(2) पृथ्वीराज रासो
(3) बीसलदेव रास
(4) परमाल रासो
(5) अनुत्तरित प्रश्न

81. "सिद्धों की सीधी–सादी भाषा को भी लोगों ने खींचातानी करके दृष्टकूट बना उनकी भाषा को संध्या भाषा बना डाला और फिर तो वह उतनी ही दुर्बोध और क्लिष्ट हो गयी।" सिद्धों की कविता पर विचार करते हुए यह कथन किसका है?

(1) डॉ. श्यामसुन्दर दास
(2) चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'
(3) रामचन्द्र शुक्ल
(4) राहुल सांकृत्यायन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

82. यात्रा–वृत्तांत और रचनाकार की दृष्टि से असंगत विकल्प है –

(1) देश–विदेश – रामधारी सिंह 'दिनकर'
(2) अरे यायावर रहेगा याद – राहुल सांकृत्यायन
(3) पैरों में पंख बाँधकर – रामवृक्ष बेनीपुरी
(4) आखिरी चट्टान तक – मोहन राकेश
(5) अनुत्तरित प्रश्न

83. शमशेर के संदर्भ में असंगत कथन है –

(1) ये 'कहानी' और 'नया साहित्य' पत्रिका के संपादक–मंडल में रहे।
(2) 'रूप विधान' की अपेक्षा 'वस्तु' के प्रति इनमें अधिक सजगता दृष्टिगोचर होती है।
(3) शमशेर अपनी रचना की टेकनीक के लिए एजरा पाउण्ड को सबसे बड़ा आदर्श मानते हैं।
(4) ये 'दूसरा सप्तक' के कवियों में हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

84. पत्र–साहित्य और उनके सम्पादक की दृष्टि से असंगत विकल्प है –

(1) सारथी – द्वारिका प्रसाद मिश्र
(2) प्रभा – मैथिलीशरण गुप्त
(3) रूपाभ – सुमित्रानंदन पंत
(4) प्रतीक – अज्ञेय
(5) अनुत्तरित प्रश्न

85. भारतेंदु हरिश्चंद्र द्वारा संपादित पत्रिका नहीं है –

(1) बालाबोधिनी
(2) हिंदी प्रदीप
(3) हरिश्चंद्र चंद्रिका
(4) कवि वचन सुधा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

86. हिंदी साहित्य के सम्पूर्ण इतिहास को तो नहीं, किंतु उसके किसी एक पक्ष, अंग या काल को नूतन ऐतिहासिक दृष्टि और नयी वस्तु प्रदान करने वाले ग्रन्थों में परिगणित नहीं किया जाने वाला ग्रन्थ है –

(1) हिन्दी साहित्य का अतीत – श्री विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
(2) रीतिकाव्य की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र
(3) उक्ति–व्यक्ति प्रकरण – पं. दामोदर शर्मा
(4) राजस्थानी पिंगल साहित्य – डॉ. मोतीलाल मेनारिया
(5) अनुत्तरित प्रश्न

87. रचना और रचनाकार की दृष्टि से कौनसा विकल्प सुमेलित नहीं है?

(1) सत्यवती कथा – ईश्वर दास
(2) लखमसेन पद्मावती कथा – उस्मान
(3) हंसावली – असाइत
(4) चांदायन – मुल्ला दाउद
(5) अनुत्तरित प्रश्न

88. हिन्दी साहित्येतिहास लेखन में साहित्यकारों व साहित्यिक रचनाओं का परिचय प्रस्तुत करने वाली कृतियों में शामिल नहीं मानी जाती है –

(1) राग सागरोद्भव–राग कल्पद्रुम
(2) भक्तमाल
(3) कालिदास हजारा
(4) राउलवेल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

89. "लोकप्रियता को देखते हुए 'जयद्रथ वध' की रचना आधुनिक हिन्दी काव्य में एक चमत्कार से कम नहीं है।" यह कथन किसका है?

(1) नामवर सिंह
(2) रामचन्द्र शुक्ल
(3) नगेन्द्र
(4) रामविलास शर्मा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

90. भारतेन्दु की काव्यगत विशेषताओं के संबंध में असंगत है –

(1) दास्य भाव की भक्ति के साथ माधुर्य भाव की भक्ति का चित्रण हुआ है।
(2) उनकी रचनाओं में प्राचीन काव्य–प्रवृत्तियों के साथ–साथ नई काव्यधारा के प्रवर्तन का प्रयास हुआ है।
(3) उनकी कविताओं में खड़ी बोली–प्रयोग का नितांत अभाव मिलता है।
(4) उनके काव्य में राजभक्ति के साथ–साथ देशभक्ति का भाव भी मिलता है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

91. 'रोटी नाम सत है' किसकी रचना है?

(1) अनुज लुगुन
(2) हरीश भादानी
(3) वेणुगोपाल
(4) अनामिका
(5) अनुत्तरित प्रश्न

92. रचना और रचनाकार की दृष्टि से असंगत विकल्प चुनें –

(1) युगपथ – माखनलाल चतुर्वेदी
(2) युगधारा – नागार्जुन
(3) युग की गंगा – केदारनाथ अग्रवाल
(4) युगवाणी – सुमित्रानन्दन पंत
(5) अनुत्तरित प्रश्न

93. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार तुलसीदास ने कौनसी रचना सूरदास के अनुकरण पर की है?

(1) पार्वतीमंगल
(2) कवितावली
(3) जानकीमंगल
(4) गीतावली
(5) अनुत्तरित प्रश्न

94. रचना और रचनाकार की दृष्टि से कौनसा यात्रावृत्त सुमेलित नहीं है?

(1) सागर–प्रवास – पं. सूर्यनारायण व्यास
(2) जापान की सैर – रामकृष्ण बजाज
(3) यात्रा के पन्ने – राहुल सांकृत्यांयन
(4) राह बीती – सेठ गोविन्द दास
(5) अनुत्तरित प्रश्न

95. रीतिकालीन कवि सेनापति के बारे में कौनसा कथन असंगत है?

(1) सेनापति के काव्य में श्रृंगार का वर्णन भी मिलता है।
(2) सेनापति के काव्य में शब्द–चमत्कार और उक्ति–वैचित्र्य का सर्वथा अभाव है।
(3) सेनापति को ऋतु–वर्णन में भी अप्रतिम सफलता मिली है।
(4) सेनापति के काव्य में रामचरित्र और रामभक्ति के सुंदर प्रसंग मिलते हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

96. "देसिल बयना सब जन मिट्ठा" यह प्रसिद्ध पंक्ति किस आदिकालीन कवि की है?

(1) चन्दबरदाई
(2) नरपति नाल्ह
(3) अमीर खुसरो
(4) विद्यापति
(5) अनुत्तरित प्रश्न

97. इनमें से रीतिमुक्त काव्य के बारे में असंगत कथन है –

(1) रीतिमुक्त कवियों की ऐकान्तिक प्रेमानुभूति के अंतरतम में सामाजिक असंतोष का पुट भी था।
(2) रीतिमुक्त कवियों ने प्राचीन काव्य परम्परा का पोषण किया है।
(3) रीतिमुक्त कवियों का प्रेम वर्णन व्यथा प्रधान है।
(4) रीतिमुक्त कवियों में रीतिबद्ध कवियों जैसी ऐन्द्रिय वासना नहीं है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

98. किस विकल्प में सभी बिन्दु परस्पर सम्बद्ध नहीं हैं?

(1) परशुराम देवाचार्य, नवधा भक्ति, सलेमाबाद
(2) नगला, रामस्मरण, लालदास जी
(3) कतरियासर, जसनाथ जी, हवन
(4) जाम्भो जी, वील्हो जी, अग्निनृत्य
(5) अनुत्तरित प्रश्न

99. "हिन्दी प्रदेश में नवजागरण 1857 ई. के स्वाधीनता–संग्राम से शुरू होता है। इस स्वाधीनता–संग्राम की पहली विशेषता यह है कि यह सारे देश की एकता को ध्यान में रखकर चलाया गया था।" हिन्दी नवजागरण के संबंध में यह कथन किसका है?

(1) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(2) नामवर सिंह
(3) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
(4) डॉ. रामविलास शर्मा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

100. आदिकालीन सिद्धों के संबंध में असंगत कथन है –

(1) सिद्ध–साहित्य में महासुखवाद का प्रबल विरोध है।
(2) सिद्धों ने एक सीमा तक तंत्र और हठयोग का अनुसरण किया था।
(3) सिद्ध कवियों ने वज्रयान धर्म का प्रचार किया।
(4) इन्होंने पाखण्ड और आडम्बर का विरोध किया।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

101. निम्नलिखित में से गोरखनाथ की रचना नहीं मानी जाती है –

(1) दयाबोध
(2) योगसार
(3) प्राणसंकली
(4) आतमबोध
(5) अनुत्तरित प्रश्न

102. 'हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास' निम्न में से किसका है?

(1) डॉ. रामकुमार वर्मा
(2) पं. मोतीलाल मेनारिया
(3) कृष्णशंकर शुक्ल
(4) पं. रामनरेश त्रिपाठी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

103. सूरदास के काव्य के सम्बन्ध में असंगत है –

(1) उनके पदों में कथा–क्रम का नितान्त अभाव है।
(2) कृष्ण के लोकरंजक रूप का चित्रण
(3) बाह्य जीवन के संघर्षों का कम चित्रण
(4) परिवार और गृहस्थ जीवन का चित्रण
(5) अनुत्तरित प्रश्न

104. रचना और रचनाकार की दृष्टि से कौनसा विकल्प सुमेलित नहीं है?

(1) टूटी हुई बिखरी हुई – शमशेर
(2) अपूर्वा – केदारनाथ अग्रवाल
(3) तुम मेरा मौन हो – अज्ञेय
(4) रश्मिरथी – दिनकर
(5) अनुत्तरित प्रश्न

105. हिन्दी गद्य के संबंध में आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी की भाषा–नीति के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन असंगत है?

(1) विषयानुकूल, सरल व प्रवाहपूर्ण शैली का प्रयोग
(2) उर्दू व अंग्रेजी के प्रचलित शब्दों का अस्वीकार
(3) शब्द रूपों एवं प्रयोगों को निश्चित रूप प्रदान करना
(4) संस्कृत के सरल तत्सम शब्दों का स्वीकार
(5) अनुत्तरित प्रश्न

106. 'साधना के पथ पर' आत्मकथा किसकी है?

(1) हरिभाऊ उपाध्याय
(2) गुलाबराय
(3) भीष्म साहनी
(4) सत्यानंद अग्निहोत्री
(5) अनुत्तरित प्रश्न

107. "उनका दंडी का अनुकरण और सबसे अधिक उनका काव्यगत अलंकार–मोह सभी यह सिद्ध करते हैं कि वे मूलतः श्रृंगार रसिक होते हुए भी अलंकारवादी थे।" डॉ. नगेंद्र का यह मत किस कवि के संदर्भ में है?

(1) भिखारीदास
(2) केशवदास
(3) जसवंत सिंह
(4) चिंतामणि
(5) अनुत्तरित प्रश्न

108. इनमें से भूषण–रचित ग्रंथ कौनसा नहीं है?

(1) शिवराज भूषण
(2) छत्रसाल दशक
(3) अलंकार पंचाशिका
(4) शिवा बावनी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

109. निम्नलिखित विकल्पों में से दादू के शिष्य 'जनगोपाल' द्वारा लिखित दादू की जीवनी का शीर्षक है –

(1) नामा जीवनी
(2) दादू–द्वार
(3) दादू जन्म लीला परची
(4) विरक्त जीवनी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

110. केशव के सन्दर्भ में कौनसा कथन असंगत है?

(1) केशव की सारी रचनाएँ मुक्तक काव्य हैं।
(2) 'विज्ञानगीता' केशव की रचना है।
(3) केशव का महत्त्व आचार्यत्व की दृष्टि से है।
(4) केशव की भाषा मूलतः ब्रज है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

111. निम्नलिखित में से रचना व रचनाकार की दृष्टि से सुमेलित नहीं है –

(1) आग का आईना – केदारनाथ अग्रवाल
(2) नींद के बादल – केदारनाथ अग्रवाल
(3) फूल नहीं रंग बोलते हैं – नागार्जुन
(4) तालाब की मछलियाँ – नागार्जुन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

112. इनमें से मतिराम-रचित ग्रंथ नहीं है –

(1) रस सारांश
(2) वृत्त कौमुदी
(3) रस राज
(4) ललित ललाम
(5) अनुत्तरित प्रश्न

113. सरहपा के सम्बन्ध में असंगत है –

(1) हिंदी के प्रथम कवि माने जाते हैं।
(2) 'दोहाकोश' इनकी प्रसिद्ध रचना है।
(3) इनकी सभी रचनाएँ प्रबन्धात्मक शैली में रचित हैं।
(4) इनका एक नाम सरोजवज्र भी था।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

114. निम्नलिखित में से कौनसा संस्मरणात्मक रेखाचित्र महादेवी वर्मा द्वारा रचित नहीं है?

(1) पथ के साथी
(2) स्मारिका
(3) सेतुबंध
(4) मेरा परिवार
(5) अनुत्तरित प्रश्न

115. कबीर के काव्य के सम्बन्ध में असंगत है –

(1) ये कर्मकाण्डी धर्मगुरु को अप्रासंगिक मानते हैं।
(2) इन्होंने शास्त्र ज्ञान की अपेक्षा अनुभव को प्रामाणिक माना है।
(3) इन्होंने दाम्पत्य प्रतीकों के प्रयोग में परहेज बरता है।
(4) इन्होंने भाषा को बहता नीर कहा है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

116. वल्लभाचार्य प्रवर्तित कृष्णभक्ति का दार्शनिक आधार है –

(1) द्वैत – दर्शन
(2) अद्वैत – दर्शन
(3) विशिष्टाद्वैत – दर्शन
(4) शुद्धाद्वैत – दर्शन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

117. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने 'रासो' शब्द की व्युत्पत्ति निम्न में से किस शब्द से मानी है?

(1) रहस्य
(2) रसिक
(3) रास
(4) रसायण
(5) अनुत्तरित प्रश्न

118. 'काव्य की रीति सिख्यौ सुकवीन्ह सों।'
रीति के विषय में यह दृष्टिकोण निम्न में से किस कवि का है?

(1) प्रतापसाहि
(2) चिंतामणि
(3) देव
(4) भिखारीदास
(5) अनुत्तरित प्रश्न

119. विद्यापति की 'पदावली' की भाषा है –

(1) मगही
(2) मैथिली
(3) मागधी
(4) भोजपुरी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

120. अनुज लुगुन के काव्य–संकलन का नाम है –

(1) पुतली में संसार
(2) अघोषित उलगुलान
(3) मछलीघर
(4) दुःख चिट्ठीरसा है
(5) अनुत्तरित प्रश्न

121. "यह प्रत्येक काल में माना जाएगा कि काव्यों के अथवा नाटकों के लिए ही रंगमंच होते हैं। काव्यों की सुविधा जुटाना रंगमंच का काम है।" नाटक और रंगमंच के संदर्भ में यह कथन किसका है?

(1) नेमिचन्द्र जैन
(2) दशरथ ओझा
(3) जयशंकर प्रसाद
(4) बच्चन सिंह
(5) अनुत्तरित प्रश्न

122. आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने किस पुस्तक को हिन्दी के परिमार्जित गद्य की प्रथम पुस्तक माना है?

(1) नासिकेतोपाख्यान
(2) श्रृंगार शतक
(3) पद्म पुराण
(4) भाषा योगवाशिष्ठ
(5) अनुत्तरित प्रश्न

123. "कविता उनकी श्रृंगारी है, पर प्रेम की उच्च भूमि पर नहीं पहुँचती, नीचे ही रह जाती है।" आचार्य रामचंद्र शुक्ल का यह कथन किस कवि के विषय में है?

(1) मतिराम
(2) पद्माकर
(3) बिहारी
(4) देव
(5) अनुत्तरित प्रश्न

124. "सब मिलाकर 'कीर्त्तिलता' अपने समय का बहुत ही सुंदर चित्र उपस्थित करती है। वह इतिहास का कवि–दृष्ट जीवंत रूप है। उसमें न तो काव्य के प्रति पक्षपात है, न इतिहास की उपेक्षा .....।" यह कथन किनका है?

(1) डॉ. नगेंद्र
(2) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
(3) डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित
(4) डॉ. ग्रियर्सन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

125. दादूदयाल की वाणियों का संग्रह – 'हरडेबानी' के संग्रहकर्ता माने जाते हैं –

(1) सुंदरदास और रज्जब
(2) संतदास और जगन्नाथ
(3) रज्जब और संतदास
(4) गरीबदास और संतदास
(5) अनुत्तरित प्रश्न

126. निम्नलिखित में से कौनसी कृति नागार्जुन की नहीं है?

(1) प्यासी पथराई आँखें
(2) सतरंगे पंखों वाली
(3) पंखें और पतवार
(4) खिचड़ी विप्लव देखा हमने
(5) अनुत्तरित प्रश्न

127. छायावादोत्तर काल में सुमित्रानंदन पंत अपनी रचनाधर्मिता में निम्नलिखित में से किस दर्शन से प्रभावित हुए?

(1) अस्तित्ववादी दर्शन
(2) गाँधी दर्शन
(3) अरविंद दर्शन
(4) विवेकानंद–दर्शन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

128. "बिहारी ने यद्यपि लक्षण–ग्रन्थों की रचना नहीं की, परन्तु उनके काव्य की प्रवृत्ति सर्वथा ध्वनिवाद के ही अनुकूल थी। उनके दोहों के काव्य–गुण का विश्लेषण करने पर यह संदेह नहीं रह जाता कि रसवाद के शुद्ध मानसिक–प्राकृतिक आनंद की अपेक्षा ध्वनिवाद के बौद्धिक आनंद को ही अधिक महत्त्व देते थे।" यह कथन किसका है?

(1) डॉ. नगेन्द्र
(2) डॉ. ओम्प्रकाश
(3) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(4) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
(5) अनुत्तरित प्रश्न

129. सुरेंद्र वर्मा द्वारा लिखित नाटक नहीं है –

(1) एक दूनी दो
(2) शुतुरमुर्ग
(3) शकुंतला की अंगूठी
(4) क़ैद ए हयात
(5) अनुत्तरित प्रश्न

130. भारतेंदु हरिश्चंद्र के रचनाकाल को दृष्टि में रखकर संवत् 1925 से 1950 की अवधि को 'नयी धारा' अथवा 'प्रथम उत्थान' संज्ञा किसने दी है?

(1) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(2) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(3) नगेन्द्र
(4) नामवर सिंह
(5) अनुत्तरित प्रश्न

131. "छायावाद के व्यक्तिनिष्ठ दृष्टिकोण ने प्रकृति–सौन्दर्य में ही सूक्ष्मता नहीं दिखाई, बल्कि मानव–सौन्दर्य में भी स्थूल शारीरिकता की जगह स्वस्थ, मांसल तथा भावात्मक सुषमा की प्रतिष्ठा की।" यह कथन किसका है?

(1) बच्चन सिंह
(2) नामवर सिंह
(3) रामविलास शर्मा
(4) नगेन्द्र
(5) अनुत्तरित प्रश्न

132. निम्नलिखित में से प्रगतिवाद की विशेषता नहीं है –

(1) जनभाषा का प्रयोग
(2) मार्क्सवादी दृष्टिकोण
(3) सामाजिक यथार्थ की अभिव्यक्ति
(4) कलावादी दृष्टिकोण
(5) अनुत्तरित प्रश्न

133. नाथ सम्प्रदाय के सम्बन्ध में असंगत कथन है –

(1) नाथ पंथ सिद्धों की परम्परा का ही विकसित रूप है। – राहुल सांकृत्यायन
(2) 'सबदी' गोरक्षनाथ की सबसे प्रामाणिक रचना है। – डॉ. पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल
(3) नाथ पंथ के चरमोत्कर्ष का समय बारहवीं शताब्दी से चौदहवीं शताब्दी के अन्त तक है। – डॉ. रामकुमार वर्मा
(4) वज्रयानी सिद्धों के साथ इन शैवनाथपंथी सिद्धों का कभी भी घनिष्ठ योग नहीं रहा। – ह.प्र. द्विवेदी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

134. मीरां के बारे में असंगत कथन है –

(1) 'गीत गोविंद की टीका' और 'नरसी जी का मायरा' मीरां के लिखे ग्रंथ माने जाते हैं।

(2) मीरां का संबंध मेवाड़ से रहा।

(3) मीरां का अंतिम समय मथुरा में व्यतीत हुआ।

(4) वियोग शृंगार के अतिरिक्त मीरां के काव्य में शांत रस की भी व्यंजना हुई है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

135. नन्ददास के बारे में कौनसा कथन असंगत है?

(1) नन्ददास को 'जड़िया' कहा जाता है।

(2) 'रूपमंजरी' नन्ददास रचित एक बृहत् महाकाव्य है।

(3) नन्ददास रचित 'सिद्धांत पंचाध्यायी' कृष्ण की रासलीला से संबंधित रचना है।

(4) 'भँवर गीत' में नन्ददास के परिपक्व दर्शन ज्ञान, विवेक बुद्धि, तार्किक शैली और कृष्ण भक्ति का परिचय मिलता है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

136. रचना और रचनाकार की दृष्टि से कौनसा विकल्प सुमेलित नहीं है?

(1) चाक – कृष्णा सोबती

(2) तिरोहित – गीतांजलि श्री

(3) आवाँ – चित्रा मुद्गल

(4) कठगुलाब – मृदुला गर्ग

(5) अनुत्तरित प्रश्न

137. "ऐतिहासिक दृष्टि से प्रयोगवाद उत्तर–छायावाद की समाजविरोधी अतिशय व्यक्तिवादी मनोवृत्ति का ही बढ़ाव है।" प्रयोगवाद के संबंध में उक्त कथन किसका है?

(1) केदारनाथ

(2) रामविलास शर्मा

(3) नामवर सिंह

(4) अज्ञेय

(5) अनुत्तरित प्रश्न

138. बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' के संबंध में असंगत टिप्पणी है –

(1) देश की दुरवस्था के कारणों और देशोन्नति के उपायों का जितना वर्णन उन्होंने किया है, उतना भारतेंदु की कविताओं में नहीं मिलता।

(2) उनकी कविताओं में लोकसंगीत की शैलियों के प्रति उदासीनता का भाव पाया जाता है।

(3) उन्होंने मुख्यतः ब्रजभाषा में काव्य रचना की है।

(4) 'जीर्ण जनपद', 'आनंद अरुणोदय', 'मयंक महिमा' आदि उनकी प्रसिद्ध काव्यकृतियां हैं।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

139. "निराला उल्लास और विषाद के ही कवि नहीं, संघर्ष और क्रांति के भी कवि हैं। इस क्रांति का लक्ष्य है, स्वाधीन शोषण–मुक्त समाज।" निराला के संबंध में यह कथन किस आलोचक का है?

(1) डॉ. रामविलास शर्मा

(2) आचार्य नंददुलारे वाजपेयी

(3) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

(4) डॉ. नामवर सिंह

(5) अनुत्तरित प्रश्न

140. " 'पद्मावत' हिंदी में अपने ढंग की अकेली ट्रेजिक कृति है।" जायसी के कृतित्व पर विचार करते हुए उक्त कथन किस समीक्षक का है?

(1) नंददुलारे वाजपेयी
(2) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(3) विजयदेव नारायण साही
(4) डॉ. नगेन्द्र
(5) अनुत्तरित प्रश्न

141. 'परमाल रासो' के बारे में कौनसा कथन असंगत है?

(1) इसमें शृंगार रस की प्रधानता है।
(2) इसे 'आल्ह खण्ड' के नाम से भी जाना जाता है।
(3) इसका रचयिता जगनिक को माना गया है।
(4) श्यामसुंदर दास ने इसका पाठ निर्धारित कर इसे नागरी प्रचारिणी सभा से प्रकाशित कराया था।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

142. "चंदबरदाई हिंदी के प्रथम महाकवि माने जाते हैं और इनका 'पृथ्वीराजरासो' हिंदी का प्रथम महाकाव्य", यह कथन किसका है?

(1) जॉर्ज ग्रियर्सन
(2) रामचंद्र शुक्ल
(3) कर्नल टॉड
(4) डॉ. रामकुमार वर्मा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

143. बेचन शर्मा 'उग्र' का उपन्यास नहीं है —

(1) शराबी
(2) बुधुआ की बेटी
(3) दिल्ली का दलाल
(4) दिल्ली का कलंक
(5) अनुत्तरित प्रश्न

144. राष्ट्रीय–सांस्कृतिक काव्यधारा की विशेषता नहीं है —

(1) भारत की आंतरिक विसंगतियों और विषमताओं को दूर करने का आह्वान
(2) कहीं–कहीं क्रांति और ध्वंस के स्वर
(3) विदेशी शासन से मुक्ति पाने के लिए स्वाधीनता संग्राम में कूद पड़ने की प्रेरणा
(4) देश के अतीत के गौरव के प्रति उदासीनता का भाव
(5) अनुत्तरित प्रश्न

145. निम्न में से रामकाव्य परम्परा के कवि नहीं हैं —

(1) रामानन्द
(2) ईश्वरदास
(3) अग्रदास
(4) गोस्वामी हितहरिवंश
(5) अनुत्तरित प्रश्न

146. आदिकालीन साहित्य की विशेषता नहीं है –

(1) वीर रस की रचनाओं में डिंगल–पिंगल शैली का प्रयोग मिलता है।

(2) कथ्य की विविधता के साथ छंद–प्रयोग की विविधता भी रही है।

(3) रासो काव्यों में कथानक–रूढ़ियों का सर्वथा अभाव है।

(4) आदिकालीन रासो काव्यों में वीर रस की व्यंजना के लिए छप्पय, तोटक, तोमर आदि छंदों का प्रयोग अधिक हुआ है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

147. निम्नलिखित में से 'हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन' का पहला प्रयास किसका माना जाता है?

(1) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (2) गार्सा द तासी

(3) मिश्रबंधु (4) शिवसिंह सेंगर

(5) अनुत्तरित प्रश्न

148. "भाषा मानो इनके हृदय के साथ जुड़कर ऐसी वशवर्तिनी हो गयी थी कि ये उसे अपनी अनूठी भावभंगी के साथ–साथ जिस रूप में चाहते थे, उस रूप में मोड़ सकते थे", आचार्य रामचंद्र शुक्ल का यह कथन किस कवि के बारे में कहा गया है?

(1) ठाकुर (2) आलम

(3) घनानंद (4) बोधा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

149. "बानी को सार बखान्यो सिंगार, सिंगार को सार किशोर किशोरी।" रीति कविता में श्रृंगार तथा नायक–नायिका भेद वर्णन के आग्रह पर बल देने वाली यह काव्य–पंक्ति किस रीतिकालीन कवि की है?

(1) भूषण (2) पद्माकर

(3) मतिराम (4) देव

(5) अनुत्तरित प्रश्न

150. हिन्दी कहानी के विविध आंदोलन और उनसे जुड़े प्रमुख कहानीकारों की दृष्टि से संगत विकल्प नहीं है –

(1) नई कहानी – कमलेश्वर, मोहन राकेश, राजेन्द्र यादव

(2) सचेतन कहानी – डॉ. महीप सिंह, कमल जोशी, मधुकर सिंह

(3) समांतर कहानी – रमेश बक्षी, दूधनाथ सिंह, प्रयाग शुक्ल

(4) अकहानी – डॉ. गंगाप्रसाद विमल, जगदीश चतुर्वेदी, रवीन्द्र कालिया

(5) अनुत्तरित प्रश्न

रफ कार्य के लिए जगह